Punjab Kesari Date 22.10.2023

क्राइम ब्रांच ने तोड़ी नशाखोरी के कारोबार में लिप्त अपराधियों की कमर | फार्मासिस्ट की दुकानें भी हो रही छापेमारी में सील



पीएम मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के सपने को साकार करती दिल्ली पुलिस

राहुल शर्मा/वसीम सैफी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी में केवल यमुना को स्वच्छ करना ही अभियान नहीं, बल्कि यमुना किनारे नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों पर शिकंजा कसना भी पीएम मोदी का विजन है। इस सपने को गृहमंत्री अमित शाह, एलजी वीके सक्सेना के मार्गदर्शन में सीपी संजय अरोड़ा बखूबी अंजाम दे रहे हैं। सीपी की निगरानी में स्पेशल सीपी क्राइम ब्रांच रविन्द्र सिंह यादव ने नशाखोरी को बढ़ावा देने वालों को कमर तोड़ रखी है। इनकी गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि इन्हें नशे का सामान सप्लाई करने वालों पर भी दिल्ली और बाहरी राज्यों में छापेमारी जारी है। पुलिस एक कदम आगे बढ़कर नशे के गोरखधंधे से अवैध रकम अर्जित करने वालों पर भी कड़ा प्रहार करने की योजना पर काम कर रही है। डीसीपी अमित गोयल की देखरेख में एसीपी अनिल शर्मा की तीन टीमों ने 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत यमुना बेल्ट में ड्रग्स सप्लाई से जुड़ी एक महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी कड़ी में भागीरथ पैलेस और सहारनपुर यूपी में दो दुकानें भी सील की गई हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई करोड़ की ड्रग्स सीज की है जिसका आकलन संबंधित विभाग द्वारा किया जा रहा है। स्पेशल सीपी (क्राइम) रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि दिल्ली पुलिस नशीली दवाओं और प्रतिबंधित मादक पदार्थ को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ की टीमें आए दिन ड्रग्स सप्लायर्स और पैडलर्स को गिरफ्तार कर रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 15 अक्तूबर तक दिल्ली पुलिस ने 1088 एनडीपीएस मामलों में नार्को-अपराधियों को गिरफ्तार किया है और लगभग 56.856 हजार हेरोइन व स्मैक, 14.62 किलो कोकीन, 2569.87 किलो गांजा, 377.91 अफीम, 13.87 किलो चरस और 346.372 किलो पोपी हेड बरामद की है।


सीपी संजय अरौड़ा





भागीरथ पैलेस में की रेड...


स्पेशल सीपी रविंद्र सिंह यादव

भागीरथ पैलेस से नशीली दवाओं की सप्लाई का लिंक मिलने के बाद टीम ने तकनीकी आधार पर जानकारी जुटाई। एविल इंजेक्शन के स्रोत को फोन पर इंजेक्शन का सौदा किया। एक लड़का कार्टन लेकर आया। जिसकी पहचान रंजीत के तौर पर हुई। उसने बताया कि वह एक मजदूर है और भागीरथ पैलेस स्थित एक फार्मेसी पर काम करता है। उसकी निशानदेही पर टीम ने रेड की और दुकान मालिक अमल कुमार को दबोच लिया। उसके पास ड्रग्स लाइसेंस भी नहीं था। उसने बताया कि वह मुंह मांगी कीमत पर प्रतिबंधित नशीली दवाइयां मुरादाबाद निवासी अखिलेश को भी बेचता है। टीम ने यहां से एविल इंजेक्शन का कार्टन भी जब्त किया। पुलिस अब आरोपी अखिलेश का सुराग लगाने में जुटी है। इस मामले में पुलिस ने रंजीत को गवाह बनाया है।

जहांगीरपुरी का नशा मुक्ति केंद्र भी अवैध ड्रग्स सप्लाई का स्रोत!

आरोपी आमिर और आसिफ से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों पार्टनर हैं। वे भागीरथ पैलेस और सहारनपुर के अलावा जहांगीरपुरी के एक नशा मुक्ति केंद्र से भी प्रतिबंधित दवाइयां लेते थे। पुलिस को शुरुआती जांच में मालूम हुआ कि सरकारी स्टॉक में आई दवाओं से 'नॉट फॉर सेल' मिटाकर बाजार में अवैध सप्लाई की जाती थी। पुलिस सरकारी केन्द्रों पर सप्लाई करने वाले और वहां से सरकारी ड्रग्स चोरी करने वाले सिंडीकेट को भी तोड़ने की आगे की रणनीति बना रही है।

सहारनपुर से आ रहे प्रतिबंधित इंजेक्शन

आरोपी आमिर से भी पूछताछ में पता चला कि वह लोनी गाजियाबाद निवासी आस मोहम्मद से भी वह फोन पर प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन खरीदता था। पुलिस ने गत 17 अक्टूबर को उसे दबोच लिया। वह सहारनपुर रोड पर स्थित एक मेडिकल स्टोर से आमिर को ऊंची कीमत पर बिना बिल के ड्रग्स की सप्लाई करता था। पुलिस ने इसके पास से करीब 400 एविल इंजेक्शन बरामद किए। इसके अलावा अलावा 7 और कार्टन जिसमें 2800 इंजेक्शन थे, उन्हें भी जब्त कर लिया। पुलिस ने एसडीएम और ड्रग इंस्पेक्टर की उपस्थिति में सहारनपुर के इस मेडिकल स्टोर को भी सील कर दिया।


एसीपी अनिल शर्मा

यमुना बेल्ट में एक्टिव ड्रग्स माफिया ... पुलिस अधिकारी ने बताया कि यमुना किनारे दोनों बेल्ट में नशे के इंजेक्शन, गोलियां व अन्य ड्रग्स वितरित करने पर की पहचान और उनकी धरपकड़ के लिए एसीपी अनिल शर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर राकेश, हरिवंश, जय भगवान आदि की टीमें गठित की गई हैं। पुलिस टीमों ने आईएसबीटी कश्मीरी गेट, मोनेस्ट्री, निगम बोध घाट, हनुमान मंदिर, यमुना बाजार आदि के पास निगरानी बढ़ा दी। मालूम हुआ कि लोनी, गाजियाबाद निवासी कुछ लोग यहां नशाखोरी करने वालों को और भिखारियों को इंजेक्शन और टैबलेट की आपूर्ति करने आते हैं। पुलिस टीम ने गत 14 अक्तूबर को दो ड्रग तस्कर लोनी गाजियाबाद निवासी खैरुन्निशा उर्फ मीना (56) और गाजियाबाद निवासी राशिद (26) को गिरफ्तार किया। इनके पास से भारी मात्रा में नशे की गोलियां, 11 स्ट्रिप्स बुप्रेनोरफिन, 28 सिरिंज, 74 सुई और 25 इंजेक्शन बरामद हुए। खैरुन्निशा ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह राशिद को लंबे समय से जानती थी। टेलीफोन पर फोन कर शीशे से वे ड्रग्स लेते थे। वह भागीरथ पैलेस से ड्रग्स की आपूर्ति कराता था। राशिद ने खुलासा किया कि वह आशिक उर्फ सोनू और आमिर के लिए काम करता था। टीम ने फिर जांच को आगे बढ़ाते हुए 15 अक्तूबर को आसिफ उर्फ सोनू, आमिर और आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। तीनों सोनिया विहार दिल्ली के रहने वाले हैं। इनके पास से भी भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाइयां और इंजेक्शन बरामद हुए। उन्होंने पूछताछ में बताया कि वे अपने पैडलर्स राशिद और अनीता को ड्रग्स सप्लाई करते हैं। आसिफ और आमिर दोनों पार्टनर हैं। उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि वे दिल्ली के एक नशा मुक्ति केंद्र से बुप्रेनोरफिन गोलियां लाते हैं। इसके अलावा भागीरथ पैलेस में 2-3 लड़कों से टेलीफोन पर भी ड्रग्स खरीदते हैं।